हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के द्वारा वैदिक गणित की पृष्ठभूमि

वैदिक गणित लागू करने से सम्बंधित डा० एस के कपूर(सेवानिवृत सत्र न्यायधीश) के द्वारा माननीय मुख्य मंत्री जी को 03-12-2015 को ईमेल भेजा गया था। इसके पश्चात इस ईमेल को माननीय केशनी आनंद अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में वैदिक गणित पर टिप्पणी करने हेतु भेजा गया था। विद्यालयी शिक्षा में वैदिक गणित शामिल करने के संबंध में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा एक समिति का गठन किया गया। इसके पश्चात गणित जिला विशेषज्ञों व उनके दो सहयोगियों का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा वैदिक गणित प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग सभी गणित जिला विशेषज्ञों व उनके सहयोगियों ने वैदिक गणित को विद्यालयों में पढ़ाने की सिफारिश की।

जिला शिक्षा अधिकारियों की बोर्ड में एक बैठक में सभी अधिकारियों के समक्ष भी यह विषय रखा गया और उन्होंने भी इस विषय को विद्यालयों में लागू करने के लिए सुझाव दिए। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यालयों में वैदिक गणित लागू करने बारे निर्णय को 05-02-2017 से 06-02-2017 की बोर्ड की बैठक में अनुमोदित कर दिया गया। पिछले 3 वर्षों से हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा वैदिक गणित की लिए विषय सामग्री लिखी गई है। अध्यापकों व प्राध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए वैदिक गणित की कई कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा चुका है। इन कार्यशालाओं में अध्यापकों व प्राध्यापकों ने लिखित में सुझाव दिए हैं कि वैदिक गणित को प्राथमिक व माध्यमिक कक्षाओं में भी लागू करना चाहिए ताकि बाल्यकाल से ही विद्यार्थियों में गणित के प्रति रूचि जागृत की जा सके I वैदिक गणित में प्रशिक्षित अध्यापकों व प्राध्यापकों ने स्वीकार किया है कि गणित की परीक्षा के परिणाम में सुधार करने के लिए वैदिक गणित के सूत्र बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज के इस प्रतियोगिता के युग में गणित ओलंपियाड व सक्षम जैसी परीक्षाओं में भी वैदिक गणित के सरल व रोचक सूत्र बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के निदेशक मंडल की दिनांक 19-03-2021 को हुई बैठक में भी निर्णय लिया गया कि कक्षा नौवीं व दसवीं के गणित विषय में वैदिक गणित सामग्री की परीक्षा आई० एन० ए० के स्थान पर ली जाएगी।

वैदिक गणित सर्टिफिकेट कोर्स

वैदिक गणित सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ करने के लिए प्रस्तावित योजना पर विचार करने के लिए 10 सितम्बर, 2021 को शिक्षा बोर्ड में माननीय उपाध्यक्ष श्री वेद प्रकाश यादव की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई। इस बैठक में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वार कक्षा दसवीं, बाहरवीं और स्नातक स्तर(अध्यापकों/प्राध्यापकों) के स्तर वैदिक गणित सर्टिफिकेट कोर्स को प्रारंभ करने की प्रस्तावित योजना पर विचार किया गया। वैदिक गणित के सर्टिफ़िकेट कोर्सों की प्रस्तावित योजना के लिए समिति में निम्नलिखित माननीय सदस्यों की संख्या थी :

1- श्री अनिल जी कौशिक, रा० आदर्श स० मा० विद्यालय, सांघी, रोहतक
2- श्री प्रवीण रोहिला, रा० व० मा० विद्यालय, बड़ौली, सोनीपत
3- श्री गुरविंदर सिंह रा० मो० स० व० मा० विद्यालय, चीका, कैथल
4- श्री विजयपाल सिंह रा० मो० स० व० मा० विद्यालय, अटेली, महेन्द्रगढ़

5- श्रीमती इन्दु सरोहा रा० व० मा० विद्यालय, राम बाग रोड, अम्बाला
6- श्रीमती पारूल रा० उच्च विद्यालय, नगला जट्टा, खण्डसाहा, अम्बाला
7- श्रीमती नवनीत कौर रा० व० मा० विद्यालय, उगाला, अम्बाला
8- श्री सुनील बजाज उपनिदेशक, एस०सी०आर०टी०, हरियाणा
9- श्री दीपक वशिष्ठ, रा० आ० स० व० मा० विद्यालय, सै०-55, फरीदाबाद
10- डा० एस० के० कपूर (वैदिक गणित विशेषज्ञ) सेवानिवृत, रोहतक

इस बैठक के प्रारंभ में वैदिक गणित विशेषज्ञ श्री राकेश भाटिया ने माननीय उपाध्यक्ष महोदय व अन्य सभी सदस्यों का परिचय करवाया और स्वागत किया और बैठक के उदेश्यों पर चर्चा की। इस बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा की गई:

1. प्रत्येक कोर्स के लिए 30 व्याख्यानों के पाठ्यक्रम की विषय सामग्री व वीडियो तैयार करना ।
2. इन कोर्सों के लिए परीक्षा से सम्बंधित सभी पहलुओं पर विचार करना ।
3. अंकगणित, बीजगणित, ज्योमेट्री, त्रिकोणमिति व कैलकुलस आदि विषयों में वैदिक गणित के सूत्रों का प्रयोग करना ।
4. प्रतियोगी परीक्षाओं में वैदिक गणित के सूत्रों की उपादेयता पर प्रकाश डालना ।
5. वैदिक गणित में अध्यापन व इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का वर्णन करना।
6. वैदिक गणित के विकास के लिए सरकारों की नीतियों का वर्णन करना।
7. वैदिक गणित के सूत्रों द्वारा स्मरण शक्ति पर प्रभाव के प्रमाण प्रस्तुत करना।

इस बैठक के संयोजक श्री राकेश भाटिया, वैदिक गणित विशेषज्ञ ने पीपीटी के माध्यम से सभी बिदुओं का संक्षिप्त में वर्णन किया और माननीय उपाध्यक्ष महोदय को मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि इस कोर्स को सफलता पूर्वक चलने के लिए सभी विद्यालयों के अध्यापकों व प्राध्यापकों (सरकारी व गैर सरकारी) के प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तीनों स्तरों पर पाठयक्रम और इस पाठयक्रम से सम्बंधित पुस्तके निर्माण करने की आवश्यकता है और एक प्रश्न भी किया कि इस विषय के अंतर्गत रोजगार के अवसरों की क्या स्थिति रहेगी।

डा० एस० के० कपूर जिनको वेद रतन की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है और इन्होने वैदिक गणित पर दर्जनों पुस्तकें लिखी हैं अपने संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम प्रत्येक कोर्स के लिए पाठयक्रम विकसित करते हुए पाठ्य पुस्तकों का निर्माण करना चाहिए। इसी पाठक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों के आधार पर अध्यापकों और प्राध्यापकों को प्रशिक्षित करना चाहिए । अध्यापकों व प्राध्यापकों के प्रशिक्षण के पश्चात् ही अन्य पाठयक्रम आरम्भ किये जाये तो उचित होगा।

श्री दीपक वशिष्ठ जी ने अपने संबोधन में वैदिक गणित में रोजगार पर कहा कि जो संस्थान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं वे सभी वैदिक गणित का प्रयोग कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा वैदिक गणित के कोर्स शुरू कर दिए गए हैं जिससे रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगें। कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों के साथ वैदिक गणित का अनुप्रयोग करते समय ऐसा अनुभव किया गया है कि उनमें इस ज्ञान से

उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होने लगता है और इस विषय के प्रयोग से विद्यार्थी गणित विषय में अधिक रूचि लेना शुरू कर देते हैं।

श्री अनिल कौशिक ने सुझाव दिया है कि जो विषय आज हम गणित की पाठ्यपुस्तक से पढ़ा रहे हैं उन विषयों से सम्बंधित जो विषय सामग्री हमारे पास वैदिक गणित में उपलब्ध है उसे पाठयक्रम में जोड़ देना चाहिए। आंतरिक मूल्यांकन में वैदिक गणित जुड़ने से विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी वैदिक गणित बहुत ही अच्छी भूमिका निभाता है और विद्यार्थियों को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

श्री गुरविंदर जी ने अपने संबोधन में कहा कि SSC, IAS, CSAT, बैंकिंग परीक्षा और अन्य राज्य स्तरीय परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए वैदिक गणित के अध्यापन की बहुत आवश्यकता है।

श्रीमती इन्दु सरोहा जी ने सभी को संबोधित करते हुए वैदिक गणित पर कहा कि जब हम वैदिक गणित के द्वारा गणित पढ़ते हैं तो गणित में रुचि और प्रश्नों को हल करने की गति बढ़ जाती है। वैदिक गणित करते समय न सिर्फ गणित विषय में बल्कि सभी विषयों में हमारी एकाग्रता बढ़ती है। जब वैदिक गणित सूत्रों द्वारा गणित के प्रश्नों का हल किया जाता है तो गणित के विबिन्न प्रश्नों को आत्मविश्वास व उत्साह के साथ हल किया जाता है।

श्री प्रवीण रोहीला ने अपने संबोधन में कहा कि वैदिक गणित के ज्ञान को ज्यादा से ज्यादा अध्यापकों व प्राध्यापकों तक पहुँचाना चाहिए जिससे कि विद्यार्थियों को इस ज्ञान का लाभ मिल सके। इसके साथ वैदिक गणित का दैनिक जीवन में बहुत उपयोग किया जा सकता है।

श्रीमती पारुल जी ने भी कहा कि वैदिक गणित के इस कोर्स से विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से कोचिंग की जरूरत नही रहेगी। यक़ीनन ये कोर्स अध्यापकों के लिये भी फायदेमंद रहेगा।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय समिति के सभी सदस्यों के अनुभव के आधार वैदिक गणित में किये गए प्रयासों की प्रशंसा की और वैदिक गणित के विभिन्न पाठ्यक्रमों को विकसित करने के लिए समितियों के लिए निर्देश जारी किए गए हैं और निम्न प्रकार से समितियां गठित की गई हैं:

प्रथम समिति (कक्षा दसवीं के प्रमाणपत्र के पाठयक्रम के लिए)

1- श्री अनिल जी कौशिक, रा० आदर्श स० मा० विद्यालय, सांघी, रोहतक
2- श्री प्रवीण रोहिला, रा० व० मा० विद्यालय, बड़ौली, सोनीपत
3- श्रीमती पारूल, रा० उच्च विद्यालय, नगला जट्टा, खण्डसाहा, अम्बाला
4- डा० एस० के० कपूर (वैदिक गणित विशेषज्ञ) सेवानिवृत, रोहतक
5- श्री सुनील बजाज, उपनिदेशक एस०सी०आर०टी० हरियाणा
6- श्री राकेश भाटिया, वैदिक गणित विशेषज्ञ, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी।

द्वितीय समिति (कक्षा बाहरवीं के प्रमाणपत्र के पाठयक्रम के लिए)

1- श्री गुरविंदर सिंह, रा० मो० स० व० मा० विद्यालय, चीका, कैथल
2- श्रीमती इन्दु सरोहा, रा० व० मा० विद्यालय, राम बाग रोड अम्बाला
3- श्री दीपक वशिष्ठ, रा० आ० स० व० मा० विद्यालय, सै० 55, फरीदाबाद
4- डा० एस० के० कपूर (वैदिक गणित विशेषज्ञ) सेवानिवृत, रोहतक
5- श्री सुनील बजाज, उपनिदेशक, एस०सी०आर०टी०, हरियाणा
6- श्री राकेश भाटिया, वैदिक गणित विशेषज्ञ, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी।

तृतीय समिति (अध्यापकों / प्राध्यापकों के प्रमाणपत्र के पाठयक्रम के लिए)

1- श्रीमती नवनीत कौर, रा० व० मा० विद्यालय, उगाला, अम्बाला
2- श्री विजयपाल सिंह, रा० मो० स० व० मा० विद्यालय, अटेली, महेन्द्रगढ़
3- श्री सुनील बजाज, उपनिदेशक, एस०सी०आर०टी० हरियाणा
4- डा० एस० के० कपूर (वैदिक गणित विशेषज्ञ), सेवानिवृत, रोहतक
5- श्री राकेश भाटिया, वैदिक गणित विशेषज्ञ, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी।